SLA - FAQ

दिनांक 26.04.19

प्रश्न – क्या करें यदि सर्वर Down रहने से मोबाइल App डाउनलोड करने एवं डाटा प्रविष्टि करने में समस्या हो रही है ?

उत्तर – सर्वर पर एक साथ कई बच्चों के डाटा अपलोड होने से ऐसा हो सकता है। शीघ्र ही चिप्स के सहयोग से अतिरिक्त सर्वर की व्यवस्था की जा रही है, जिससे इस समस्या को दूर कर लिया जाएगा।

प्रश्न – क्या करें यदि बच्चों के प्राप्तांकों की प्रविष्टि कर डाटा को सिंक करने में परेशानी हो रही है।

उत्तर – अधिक से अधिक डाटा की ऑफलाइन प्रविष्टि करें। बाद में एक बार ऑनलाइन होने पर सभी डाटा एक साथ सिंक हो जाएगा। लगातार एक साथ अत्यधिक डाटा को ऑनलाइन प्रविष्ट करने से सर्वर डाउन हो जाता है। अतः कम से कम समय तक ऑनलाइन रहकर डाटा एन्ट्री करके न केवल आप अपना डाटा बचा सकते हैं वरन् आप सर्वर पर अत्यधिक/अनावश्यक दबाव पड़ने से रोक सकते हैं।

प्रातः काल या देर रात को भी जब Internet पर कम दबाव हो तब आसानी से डाटा सिंक किया जा सकता है।

प्रश्न – अनुपस्थित बच्चों या ऐसे बच्चे जिनकी ID नहीं मिली या किसी अन्य कारण से बच्चे की डाटा एन्ट्री न हुई हो तो उनकी जानकारी एवं अंकों की प्रविष्टि के लिए क्या किया जाना चाहिए?

उत्तर – 1.मोबाइल App के नए Version में ऐसे बच्चों की जानकारी देने के विकल्प उपलब्ध कराने संबंधी सुविधा शामिल कर ली गई है।

2.जिन विद्यार्थियों की Student ID Generate नहीं हुई है, प्राथमिकता के आधार पर, उनकी डाटा प्रविष्टि के लिए, UDISE में प्रविष्टि करना होगा तद्पश्चात् Student ID स्वतः Generate हो जाएगी।

3. SLA App में जिन विद्यार्थियों के अंकों की डाटा प्रविष्टि नहीं की गई है, उन्हें अनिवार्यतः लंबित सूची (pendency list) में, वह विद्यार्थी जिस विकल्प के अंतर्गत आ रहा हो, अंकित करना होगा।

प्रश्न – यदि कुछ शिक्षकों के पास Android Mobile फोन नहीं है और कुछ शिक्षकों को Internet का उपयोग करना नहीं आता हो तो ऐसे में वे अपनी उत्तरपुस्तिकाओं की जांच एवं डाटा प्रविष्टि कैसे करेंगे ?

उत्तर – यह आवश्यक नहीं है कि सभी शिक्षक इस App को डाउनलोड करें। प्रत्येक संकुल, अपने संकुल के लगभग दस ऐसे शिक्षकों की पहचान कर डाटा प्रविष्टि की जिम्मेदारी दे जिन्हें मोबाइल एवं टेक्नोलॉजी का बेहतर ज्ञान एवं अनुभव है। इनके माध्यम से समानांतर डाटा प्रविष्टि का कार्य जारी रखा जाना चाहिए ताकि विलंब न हो।

प्रश्न – बच्चों के प्राप्तांकों को प्रविष्ट करने की क्या प्रक्रिया होगी?

उत्तर – मोबाइल से प्रत्येक बच्चे का विवरण देना होगा। राज्य स्तर पर इस डाटा के विश्लेषण का कार्य किया जायेगा। राज्य स्तर से सभी शालाओं को उनके विद्यार्थियों के प्राप्तांकों को रिपोर्ट के अनुरूप भेजा जाएगा। इसे कक्षा शिक्षकों द्वारा अपने मोबाइल पर देखकर अपनी कक्षा के बच्चों के प्राप्तांकों को उनके प्रगति पत्रक में समेटिव–2 के कॉलम में प्रविष्ट किया जाएगा।

प्रश्न – क्या बच्चों के प्राप्तांकों को Internet से डाउनलोड कर प्रिंट दिया जा सकता है ?

उत्तर – Internet से बच्चों के केवल समेटिव–2 के प्राप्तांक ही प्राप्त होंगे जबकि बच्चों को पूरे सत्र में आयोजित किए गए विभिन्न आकलन के प्राप्तांकों के आधार पर प्रगति पत्रक देना है। इसलिए प्रिंट लेने की आवश्यकता नहीं है साथ ही इसके कारण होने वाले अनावश्यक व्यय से बचें।

प्रश्न – राज्य स्तरीय आकलन के लिए क्या हमें प्रगति पत्रक का उपयोग करना होगा?

उत्तर – इस वर्ष शालाओं में जिस प्रगति पत्रक में फॉर्मेटिव और समेटिव–1 की प्रविष्टि की गई है, उसी में समेटिव–2 अर्थात् राज्य स्तरीय आकलन के प्राप्तांकों की प्रविष्टि भी करना है। अर्थात इस वर्ष कोई नया प्रगति पत्रक नहीं होगा।

प्रश्न – मूल्यांकन कार्य करते समय कुछ प्रश्नों में दिए गए अंकों की App में प्रविष्टि नहीं हो पा रही है।

उत्तर – ऐसी त्रुटियों की जानकारी राज्य स्तर पर प्राप्त होने से उसे तत्काल दूर किया जाता है एवं संबंधित संशोधन/निराकरण से संबंधित जानकारी को परिषद् की वेबसाइट http://scert.cg.gov.in/pdf/sla/sla-2018-19.htm पर Upload किया जाता है, ताकि सभी संबंधित/शिक्षक वेबसाइट से आवश्यक जानकारी प्राप्त कर सकें।

प्रश्न – उत्तरपुस्तिकाओं की जांच करते समय प्राप्तांक क्या आदर्श उत्तर के अनुरूप ही दिए जाने हैं ?

उत्तर – SCERT द्वारा शिक्षकों की सुविधा के लिए आदर्श उत्तर उपलब्ध कराए जाते हैं। किन्तु उत्तर पुस्तिकाओं की जांच के समय शिक्षक अपने व्यवहारिक ज्ञान एवं स्वविवेक का भी उपयोग करें। उदाहरणार्थ यदि ऐसे दो फलों के नाम जिसके भीतर बीज होते है, के आदर्श उत्तर में पपीता और आम दिया गया हो और यदि बच्चे द्वारा इनके अलावा अन्य फलों नाम लिखें गए हों जैसे तरबूज, बेर, जामुन आदि फल जिसमें बीज होते हैं, तो बच्चे को अंक निर्धारित अंक दिए जाने चाहिए।

प्रश्न – राज्य स्तरीय आकलन से प्राप्त आंकड़ों का क्या उपयोग किया जाएगा ?

उत्तर – राज्य स्तरीय आकलन से प्राप्त आंकड़े वर्ष 2018–19 हेतु बेस लाइन आकड़े हैं। इनके आधार पर राज्य में शिक्षा की वर्तमान एवं वास्तविक स्थिति ज्ञात होगी तथा आवश्यक सुधार तथा गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने हेतु आगामी योजना बनाकर गतिविधियाँ संचालित की जाएंगी। अतः इन आंकड़ों की सत्यता व विश्वसनीयता आवश्यक है ताकि उचित दिशा में आगे बढ़ा जा सके।

प्रश्न – यदि डाटा प्रविष्टि करते समय मोबाइल पर कोई Call आ जाए तथा की गई प्रविष्टि को पुनः नए सिरे से करना पड़े तब ऐसी स्थिती में क्या करें ?

उत्तर – यदि एक साथ कई बच्चों के डाटा की प्रविष्टि करनी हो तो पहले ऑफलाइन प्रविष्टि कर लें, अब इस डाटा को ऑनलाइन सिंक करें। यह भी बेहतर होगा कि जब मोबाइल पर डाटा एन्ट्री की जा रही हो तब मोबाइल फोन को एयरोप्लेन Mode में कर लें।

प्रश्न – जिस संकुल में प्रश्न पत्रों की जांच हो रही हो क्या वहीं पर प्राप्तांकों की प्रविष्टि करना आवश्यक है ? या मूल संकुल में जाकर इसकी एन्ट्री की जा सकती है ?

उत्तर – जहां पर उत्तर पुस्तिकाओं की जांच हो रही है वही पर उनके आंकड़ों की प्रविष्टि होनी चाहिए। किसी भी स्थिति में ये आंकड़े मूल संकुल में प्रविष्ट नहीं किए जाने चाहिए।

प्रश्न – क्या कम उपलब्धियुक्त परिणाम वाले शिक्षकों/अन्य संबंधितों के विरूद्ध कोई कार्यवाही की जाएगी ?

उत्तर – कम उपलब्धियुक्त परिणाम वाले शिक्षकों/अन्य संबंधितों के विरूद्ध कोई कार्यवाही नहीं की जाएगी। अतः सभी संबंधितों से यह अपेक्षा है कि वे सत्य जानकारी ही दें तथा SLA की विश्वसनीयता को बनाए रखने में सहयोग करें।